सफलता की कहानी

किसान का नाम – माताल कुम्भकार
ग्राम – राखडीह
पंचायत – बिडरा
प्रखण्ड – पटमदा

कृषक माताल कुम्भकार उन छोटे किसानों में से है जो अपने सीमित संसाधनों के बल पर खेती–बाड़ी कर अपना जीवन–यापन करते हैं। 36 वर्षीय माताल कुम्भकार इंटर तक की पढ़ाई की है इसके साथ आई0टी0आई भी। लेकिन रोजगार की तालाश में कहीं अन्यत्र नहीं भटककर अपने खेतों में ही कड़ी मेहनत कर साग–सब्जी उपजा रहें हैं ।

उनके गाँव राखडीह में कहीं आस–पास नदी नाला नहीं है केवल वर्षा जल संचयन के द्वारा ही पूरा गांव के किसान परिवार खेती बाड़ी करके अपना जिविकोपार्जन करते हैं। पूरे गांव में लगभग छोटा बड़ा 80 से ज्यादा जल संचयन संरचना है जिसमें तालाब एवं डोभा प्रमुख है। कृषि विभाग एवं भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा यह बनाया गया है । कृषक माताल कुम्भकार के नीचली दोन–1 जमीन में एक डोभा खोदा गया है। सिंचाई की सुविधा होने से अब पटवन की समास्या नहीं है । आत्मा कृषि विभाग से अनुदानित दर पर एक पम्पसेट प्राप्त किया है जिससे सालों भर सब्जी की खेती माताल कुम्भकार कर रहा है।

विगत गर्मी के मौसम में माताल कुम्भकार द्वारा उक्त डोभा से 1 एकड़ खेत में बैगन का खेती किया गया हैं । बैगन खेत से ही व्यापारी 25 रू0 प्रति किलो की दर से खरीद कर ले जा रहें है। इसके अलावे माताल कुम्भकार स्वयं भी नजदीकी हाटों में बैगन की सब्जी बेचकर मुनाफा कमा रहें है।

SHOT ON OPPO

SHOT ON OPPO

SHOT ON OPPO

SHOT ON OPPO